इस साल तैयार हो जाएगी बड़े कैलिबर की यूनिट

अदाणी डिफेंस की कानपुर यूनिट का विस्तार

■ **NBT रिपोर्ट, कानपुर :** अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की कानपुर फैक्ट्री में लार्ज कैलिबर की यूनिट इस साल तक तैयार हो जाएगी। कंपनी के सीईओ आशीष राजवंशी ने शनिवार को बताया कि यूनिट का 90% तक काम पूरा हो चुका है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। बुलेट में इस्तेमाल होने वाले प्रॉपेलेंट और प्राइमर अब तक यूरोप से आयात किए जाते हैं। 2027 तक कानपुर यूनिट में इसका उत्पादन होने लगेगा।

राजवंशी ने बताया कि हैदराबाद यूनिट में ड्रोन पर काम हो रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं ने इनका इस्तेमाल किया था। अदाणी डिफेंस का प्रयास है कि सशस्त्र सेनाओं की 14 दिनों के युद्ध की जरूरत पूरी की जा सके। कानपुर यूनिट पूरी तरह अत्याधुनिक (4.0) है। फैक्ट्री में बुलेट के क्वॉलिटी टेस्ट एआई के जरिए होते हैं। फिलहाल हम भारत के सशस्त्र बलों की 25% जरूरत पूरी कर रहे हैं। हमारा प्रयास 100% जरूरत पूरी करने की है। कानपुर यूनिट नेटो प्रमाणित है। छोटे कैलिबर की बुलेट का सालाना उत्पादन अगले दो साल में बढ़ाकर 500 मिलियन राउंड करने का लक्ष्य है। कानपुर फैक्ट्री से 4 देशों को हथियार और गोला-बारूद निर्यात किए जा रहे हैं। फैक्ट्री पूरी तरह स्वचालित है। प्रॉपेलेंट और प्राइमर कानपुर में बनने से हम इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएंगे। दक्षिण एशिया में हथियार और गोला-बारूद निर्माण में कानपुर फैक्ट्री सबसे बड़ी है। सार्वजनिक क्षेत्र के मुकाबले हम कम कीमत में उत्पादन कर रहे हैं।

डीपीएम में बदलाव की मांग : राजवंशी ने बताया कि रक्षा खरीद नियमों (डीपीएम) के तहत भारतीय सेनाएं सिर्फ सार्वजनिक क्षेत्रों की कंपनियों से ही गोला-बारूद की खरीद कर सकती हैं। देश में निजी क्षेत्र में गोला-बारूद का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है। हमने सरकार से मांग की है कि इस नियम में बदलाव किया जाए।

तीन दिन में यूपी की जरूरत पूरी : राजवंशी ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने अदाणी डिफेंस को अपनी एक साल की जरूरत का ऑर्डर दिया था। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नियमों में भी बदलाव किया था। हमने सिर्फ तीन दिन में पुलिस की जरूरत का ऑर्डर पूरा कर दिया।